|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | | | | | | | |
|  | | | | | | |  |
|  | | | | | | |  |
|  | | | | | | |  |
|  | | | | | | |  |
|  | | | | | | |  |
|  | | | | | | |  |
|  | | |  | | | |  |
|  | | | |  |
|  | | | |  |
|  | | | |  |
|  | | | | | | | |
|  | | | | | | | • |
|  | | | | | | | • |
|  | | | | | | | • |
|  | | | | | | | • |
| [**www.facebook.com/CommunityLanguagesAssociationNZ/**](file:///C:\Users\user\Desktop\Speaking%20MT%20in%20the%20home\www.facebook.com\CommunityLanguagesAssociationNZ\) | | | | | | | |
|  |  | **Community Languages Association of New Zealand (CLANZ)** | |  |  |  | |

English text by Hilary Smith, illustration by Sarah Illingworth. © 2017 CLANZ Translated by: